सतीश प्रधान

लखनऊ। लखनऊ के 5-कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के आवास पर आज बालीवुड की हस्तियों का जमावड़ा लगा, जिसमें फिल्म निर्देशक एवं प्रोड्यूसर श्री मुजफ्फर अली, प्रोड्यूसर एवं निर्देशक श्री बोनी कपूर, हीरो, निर्देशक एवं प्रोड्यूसर श्री रवि किशन, बालीवुड अदाकारा सुश्री दिव्या दत्ता, मुख्यमंत्री के साथ मंच मौजूद थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि फिल्म निर्माण के नजरिए से उत्तर प्रदेश एक बेहतरीन जगह है। उत्तर प्रदेश में उपलब्ध तमाम सम्भावनाओं के मद्देनजर राज्य सरकार ने फिल्म नीति को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने का फैसला लिया। राज्य में फिल्मों की शूटिंग के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार व प्रदेश के कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं को राज्य में फिल्मों की शूटिंग करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि इस कार्य में प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें हर सम्भव सहयोग व मदद प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर फिल्म बंधु द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने फिल्म बंधु की वेबसाइट www.filmbandhuup.in का उद्घाटन एवं 'फिल्म नीति उत्तर प्रदेश-2015' पुस्तिका का विमोचन भी किया। श्री यादव ने नई फिल्म नीति के तहत फिल्म 'तेवर' को 2 करोड़, 'जाँ निसार' को 2 करोड़ 25 लाख तथा फिल्म 'दोजख-इन सर्च ऑफ हैवेन' को 59 लाख 53 हजार रुपए के अनुदान का चेक भी प्रदान किया।

राज्य में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 2 फिल्म सिटी की स्थापना के लिए हस्ताक्षरित एम.ओ.यू. के दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। एक फिल्म सिटी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तथा दूसरी ट्रांस गंगा हाइटेक सिटी परियोजना उन्नाव में विकसित की जाएगी। दोनों फिल्म सिटी पर कुल मिलाकर लगभग 650 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इनसे लगभग 9 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। राज्य सरकार की ओर से एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर प्रमुख सचिव सूचना एवं अध्यक्ष फिल्म बंधु श्री नवनीत सहगल ने किए। पहला एम.ओ.यू. मेघज प्रोडक्शन्स एवं रविकिशन प्रोडक्शन्स के साथ किया गया, जो ट्रांस गंगा हाइटेक सिटी परियोजना में फिल्म सिटी स्थापित करेंगी। दूसरे फिल्म सिटी के लिए एम.ओ.यू. 'फर्नेस सी-होल्डिंग्स' के साथ सम्पन्न हुआ। इसे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बनाया जाएगा।

अपने सम्बोधन में श्री यादव ने कहा कि नीतियों और सुविधाओं के अभाव में प्रदेश के विकास में लोगों की भागीदारी हासिल करने में दिक्कत हो रही थी। यही कारण है कि वर्तमान सरकार ने पिछले तीन साल के दौरान तमाम क्षेत्रों के लिए नई नीतियां बनाकर उन्हें लागू किया है। समाजवादी सरकार कथनी और करनी में कोई भेद नहीं करती, इस पर पूरा यकीन करते हुए निवेशकों ने यहां काफी निवेश किया है। नई फिल्म नीति ने बड़ी संख्या में फिल्म निर्माताओं को प्रदेश में फिल्में बनाने के लिए आकर्षित किया है, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में लगभग 30 फिल्मों की यहां शूटिंग हो रही है।

उत्तर प्रदेश के महत्व और योगदान की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यह एक बहुत बड़ा बाजार भी है। मुम्बई सहित तमाम स्थानों पर बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के लोग हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हमारे प्रदेश ने फिल्म जगत को भी अनेक मशहूर हस्तियां दी हैं। फिल्म कारोबार की दृष्टि से भी प्रदेश काफी अहम है। उन्होंने कहा कि फिल्म वही हिट होगी, जिसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखेंगे और आबादी के हिसाब से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है, इस कारण किसी फिल्म को हिट करने में उप्र का अहम रोल है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और विविधताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व विख्यात ताज महल और वाराणसी उत्तर प्रदेश में स्थित हैं, लेकिन ज्यादातर विदेशी पर्यटकों को इसकी जानकारी नहीं है। इसलिए देश-दुनिया में प्रदेश के मशहूर स्थानों और इमारतों की पहचान बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ।इतिहास इसका मूल्यांकन करता है कि वर्तमान पीढ़ी। ने भावी पीढ़ी को कैसी विरासत सौंपी है। उनका कहना था कि हम कोई राजे-महाराजे तो हैं नहीं। हम तो पुरानी धरोहरों को ही संभाल कर रख सकते हैं औैर वो काम हम बहुत ईमानदारी से कर रहे हैं, इसके तहत लखनऊ के सभी दरवाजे समेत ऐतिहासिक इमारतों को संवारा जा रहा है। गोमती नदी के सौन्दर्यीकरण एवं सफाई का कार्य भी राज्य सरकार की इसी सोच का हिस्सा है। लेकिन मुख्यमंत्री जी मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री जी आप भी किसी राजे-महाराजे से कहाँ कम हैं। जितने लम्बे समय तक शासन आपके परिवार के पास है, उतने लम्बे समय तक तो शासन बहुत से राजे महाराजों के पास भी नहीं रहा होगा। राजे-महाराजे भी जो चाहते थे करते थे आप भी जो चाहते हैं कर लेते हैं। आप जो प्रोजेक्ट स्थापित करने का निर्णय लेते हैं उस अब ड्रीम प्रोजेक्ट कहा जाता है, उनके समय में इस शब्द का इस्तेमाल नहीं होता था।

पर्यटन मंत्री श्री ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग से यहां मशहूर जगहों, इमारतों, रीति-रिवाज आदि को दर्शाने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर जहां एक ओर लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों का सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गोमती नदी को भी सुन्दर बनाया जा रहा है।

फिल्मकार श्री मुजफ्फर अली ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म बन्धु के माध्यम से फिल्म निर्माताओं को सुविधाएं देकर राज्य सरकार ने बहुत बड़ी पहल की है। उनका सपना था कि राज्य में फिल्में यहां के कलाकारों के साथ बनाई जाएं, जो प्रदेश सरकार के प्रयासों से साकार हो रहा है। श्री अली ने बताया कि उनकी फिल्म 'जाँ निसार' स्वाधीनता आन्दोलन पर आधारित है, जिसको प्रदेश सरकार ने 2 करोड़ 25 लाख रुपये का अनुदान दिया है।

निर्माता श्री बोनी कपूर ने कहा कि उत्तर प्रदेश फिल्म निर्माताओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले पहले कुछ राज्यों में शामिल है। मुम्बई फिल्म उद्योग के साथ-साथ दक्षिण भारत के फिल्म जगत को भी प्रदेश में आमंत्रित करने से यहां फिल्म निर्माण की गतिविधियों में और बढ़ावा दिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि उनका जन्म मेरठ में हुआ था। श्री कपूर ने कहा कि उनकी फिल्म 'तेवर' की शूटिंग आगरा और मथुरा में सम्पन्न हुई थी तथा प्रदेश में दो और फिल्मों की शूटिंग करने की उनकी योजना है।

निर्माता श्री पवन तिवारी ने बताया कि उनकी फिल्म 'दोजख-इन सर्च ऑफ हैवेन' में उत्तर प्रदेश की संस्कृति को दर्शाया गया है और इस फिल्म की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना हुई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वे उत्तर प्रदेश में एक फिल्म की शूटिंग की शुरुआत करेंगे।

अभिनेता श्री रवि किशन ने कहा कि कुछ महीने पहले उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर प्रदेश में फिल्म सिटी स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की थी, जिसकी आज शुरुआत हो गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व में उन्होंने बिहार सरकार से भी ऐसी मंशा जताई थी, लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने आशा व्यक्त की कि फिल्म सिटी के तैयार हो जाने के बाद यहां बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा और अनेक कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्राप्त होगा।

अभिनेत्री सुश्री दिव्या दत्ता ने अपने सम्बोधन में बताया कि वे एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में लखनऊ आई हैं। यहां की तहजीब ने उन्हें काफी प्रभावित किया है। इस साल उनकी तीन फिल्मों की शूटिंग उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित है।

जापान के सांसद श्री नागासकी काताक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जापान के सहयोग से एक फिल्म सिटी की स्थापना की जा रही है। इस परियोजना के माध्यम से भारत और जापान के सम्बन्ध और प्रगाढ़ बनेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म सिटी में तैयार फिल्मों का प्रदर्शन जापान में भी होगा।

इसके पूर्व, स्वागत सम्बोधन में प्रमुख सचिव सूचना श्री नवनीत सहगल ने कहा कि शीघ्र ही फिल्म बन्धु में भी, उद्योग बन्धु की तर्ज पर सिंगल विंडो व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके अलावा, फिल्म निर्माताओं के साथ समन्वय के लिए प्रत्येक जनपद में एक-एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा, जिसका विवरण फिल्म बन्धु की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि फिल्म सिटी के माध्यम से उत्तर प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए अत्याधुनिक तकनीक स्थानीय तौर पर उपलब्ध हो जाएगी। फिल्म विकास परिषद के सदस्य श्री विशाल कपूर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री अहमद हसन, राजनैतिक पेंशन मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, पंचायतीराज मंत्री श्री कैलाश यादव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री श्री अभिषेक मिश्रा, सूचना निदेशक एवं फिल्म बन्धु के सचिव श्री आशुतोष निरंजन भी मौजूद थे। इस आयोजन का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि जहाँ एक ओर मंच पर एक से एक बालीवुड के प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, हीरोइन दिव्या दत्ता के मौजूद होने के बावजूद इस विशेष समारोह के हीरो इस प्रदेश के प्रमुख सचिव श्री नवनीत सहगल ही थे। अखिरकार रविकिशन जैसा मशहूर हीरो और प्रोड्यूसर भी उनका धन्यवाद करने और उनको प्रणाम करने के बाद ही कृतज्ञ हुआ।

इस पूरे शो के अकेले हीरो

इस जीवंत शो में श्री नवनीत सहगल ही अकेले हीरो थे। यह बात अलग है कि फिल्म नीति लागू करना और उत्तर प्रदेश में बनी फिल्मों को अनुदान दिया जाना बगैर मुख्यमंत्री जी की सोच और निर्णय के संभव नहीं है, लेकिन यदि श्री अखिलेश यादव को अकबर की संज्ञा दी जाये तो निश्चित रूप से श्री नवनीत सहगल उनके बीरबल ही हैं। जैसे बगैर बीरबल, अकबर की सत्ता और उसकी कहानी अधूरी थी और है, ठीक इसी प्रकार बगैर नवनीत सहगल, श्री अखिलेश जी की कामयाबी अधूरी है। सहगल जैसी सोच एवं विज़न के कम ही अधिकारी इस ब्यूरोक्रेसी में होंगे। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि श्री सहगल छोटे से छोटा काम स्वंय करने में कोई संकोच नहीं करते और हमेशा दूसरे का भला करने का जज्बा रखते हैं। यही इनकी सफलता का राज है।